बी.एच.डी.सी–109

स्नातक उपाधि प्रतिष्ठा (सी.बी.सी.एस)
बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी
(BAHDH)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी.-109
हिंदी उपन्यास

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110068

हिंदी उपन्यास
(BHDC- 109)
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी.–109 / 2024–2025

आपको प्रेमचंद पर आधारित पाठ्यक्रम बी.एच.डी.सी.–109 का केवल एक सत्रीय कार्य करना है। इस सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। यह सत्रीय कार्य खंड 1 तथा 2 पर आधारित है।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ हमारा तात्पर्य पाठ्यक्रम सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान आपने जो कुछ सीखा और समझा है, उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य आपको प्रेमचंद तथा उनके साहित्य से अवगत कराना है। प्रेमचंद ने कथा साहित्य के साथ–साथ निबंध, नाटक आदि की भी रचना की है। इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से आप प्रेमचंद के कथा साहित्य, नाटक एवं निबंध से परिचित हो सकेंगे।

इस पाठ्यक्रम पर आधारित सत्रीय कार्य से आप यह जान सकेंगे कि आपको प्रेमचंद के साहित्य के संदर्भ में कितनी समझ और दक्षता प्राप्त हुई है। प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1). ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।

2). अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

3). बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केंद्र का उल्लेख करें जैसे आगे दिखाया गया है।

अनुक्रमांक : ....

नाम : ....

पता : ....

पाठ्यक्रम का नाम / कोड : ....

सत्रीय कार्य कोड : ....

अध्ययन केन्द्र का नाम / कोड : ....

दिनांक : ....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. सत्रीय कार्य पाठ्यक्रम के खंड 1 तथा 2 पर आधारित है। इसमें तीन भागों के अंतर्गत प्रश्न पूछे गए हैं, जिनका उद्देश्य प्रेमचंद और उनके साहित्य के गहन अध्ययन के संदर्भ में आपकी लेखन क्षमता की जाँच करना है।

2. इस सत्रीय कार्य में कुछ प्रश्न निबंधात्मक हैं। जिनके उत्तर पठित इकाइयों के आधार पर आपको निर्धारित शब्दों में देने हैं। कुछ प्रश्न टिप्पणीपरक हैं। एक प्रश्न पाठ्यक्रम में अध्ययन कराए जा रहे प्रेमचंद के साहित्य के अंश दिए गए हैं, जिनकी संदर्भ सहित व्याख्या करनी है। इस प्रकार इन प्रश्नों से जहाँ एक ओर आपकी प्रेमचंद के साहित्य संबंधी समझ विकसित होगी वहीं दूसरी ओर आप प्रेमचंद के उपन्यास, कहानी, नाटक तथा निबंध के अंशों की व्याख्या–विश्लेषण में भी समर्थ हो सकेंगे। उत्तर लिखते हुए भाषागत शुद्धता का विशेष ध्यान रखें।

3. सत्रीय कार्य पूरा करके इसे जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास अवश्य जमा करा दें।

4. सत्रीय कार्य जमा करने की तिथि :

- **दिसम्बर माह की सत्रांत परीक्षा के लिए – 31 अक्टूबर**
- **जून माह की सत्रांत परीक्षा के लिए – 30 अप्रैल**

उत्तर देने के लिए निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आप के लिए लाभप्रद रहेगा।

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास** : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। विषय संबंधी प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले आपने उत्तर पर अच्छी तरह से विचार कर लीजिए। अगर आप बिना समझे पुस्तक या अन्य किसी स्रोत की सहायता से उत्तर देंगे तो इससे आपको कोई लाभ नहीं होगा और सत्रांत परीक्षा में आप ऐसे प्रश्नों का सही उत्तर नहीं दे पाएँगे। निबंधात्मक प्रश्न में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो।
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदी उपन्यास
(BHDC- 109)
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी–109
सत्रीय कार्य कोड : बी.एच.डी.सी–109/टीएमए/2024–2025
कुल अंक 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–क

1. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 10×4 = 40

(क) निर्मला बच्चे को रोते देखकर विह्वल हो उठी। उसने उसे छाती से लगा लिया और गोद में लिये हुए अपने कमरे में लाकर उसे चुमकारने लगी, लेकिन बालक और भी सिसक-सिसक कर रोने लगा। उसका अबोध ह्रदय इस प्यार में वह मातृ-स्नेह न पाता था, जिससे दैव ने उसे वंचित कर दिया था। यह वात्सल्य न था, केवल दया थी। यह वह वस्तु थी, जिस पर उसका कोई अधिकार न था, जो केवल भिक्षा के रूप में उसे दी जा रही थी। पिता ने पहले भी दो-एक बार मारा था, जब उसकी माँ जीवित थी; लेकिन तब उसकी माँ उसे छाती से लगाकर रोती न थी।

(ख) विवाह भावुकता का प्रश्न नहीं, व्यवस्था का प्रश्न है। वह प्रश्न क्या यों टाले टल सकता है ? वह गाँठ है जो बँधी कि खुल नहीं सकती, टूटे तो टूट भले ही जाए। लेकिन टूटना कब किसका श्रेयस्कर है ? पर आठवीं क्लास का विद्यार्थी मैं यह सब नहीं जानता था। इसलिए उस समय अति–संपूर्ण भाव से मैंने बुआ को आश्वासन दे दिया कि वह सदा इसी घर में रहेंगी। देखूँ कौन फूफा होते है जो ले जाएँ। ऐसा मन न करो, बुआ। फ़िकर क्या है। यह प्रमोद बड़ा होकर खूब कमाएगा और तुम्हारी खूब सेवा करेगा और तुम्हें कुछ कष्ट न होने देगा।

(ग) रामघाट पर नित्य बाबा रामचरित मानस सुनाते हैं। कोल–किरात आदि गण दूर–दूर से आकर आजकल चित्रकूट में ही अपना डेरा जमाए हुए हैं। वे बाबा के लिए फल, फूल, कंद ,मूल, दूध , दही आदि लेकर आते हैं। इस समय रामजियावन के घर में मानो आठों सिद्धि नवोनिधियों का वास है। तीसरे पहर कथा होती है और फिर भक्तों की भीड़ रमजियावन के घर में सजी हुई झांकी देचाने के लिए आती है।

(घ) बंटी बहुत संकुचित हो आया। भीतर ही भीतर कहीं गुस्सा भी आने लगा। फूफी ऐसा कहती तो मज़ा चखा देता। पापा से क्या कहे? पर पापा ऐसी बात कहते ही क्यों हैं? खुद तो ममी के साथ नहीं रहते, चाहते हैं वह भी नहीं रहे। बहुत चालाक हैं। एकाएक उसके मन में सामने बैठे पापा के लिए गुस्सा उफनने लगा। बहुत मन हुआ पूछे, आप ममी को भी साथ लेकर क्यों नहीं चलते? उसने एक उड़ती –सी नजर डाली।

भाग–ख

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 750–800 (प्रत्येक) शब्दों में दीजिए। 15×3 = 45

(1). प्रेमचंद के उपन्यासों का परिचय दीजिए ।
(2). 'त्याग–पत्र' के कथानक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
(3). 'मानस का हंस' के प्रमुख चरित्रों की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

भाग–ग

3. निम्नलिखित पर लगभग 250 (प्रत्येक) शब्दों में टिप्पणी लिखिए : 5×3 = 15

(1) प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास
(2) 'निर्मला' उपन्यास की कथावस्तु की विशेषताएँ
(3) 'मृगनयनी' का राजनीतिक परिवेश